
संस्कारों की अधीनता

➤➤ संस्कारों की अधीनता से मुक्त होने की विधि

➤➤ _ ➤➤ स्वयं से छिपाए नहीं / स्वयं को धोखा मत दें

→ मोह को प्रेम की आड़ में छिपा लेते हैं

→ लालच को जरूरत की आड़ में छिपा लेते हैं

➤➤ _ ➤➤ स्वीकृति

→ स्वीकार करें की ये संस्कार मुझमें हैं

→ हम अक्सर स्वीकार नहीं करते हैं क्योंकि वह हमें बहुत दुखद लगता

है

➤➤ _ ➤➤ जाग्रति लायें

→ इसके लिए कई बार जीवन में धक्का लगाना की जरूरत होती है

➤➤ _ ➤➤ महसूस करें

→ कार्य करने से पहले

→ कार्य करते हुए

→ कार्य करने के बाद

➤➤ _ ➤➤ पश्चाताप करें

→ बिना परिवर्तन का

→ परिवर्तन का

➤➤ _ ➤➤ सम्पूर्ण विजय

→ जैसे बहार का खाना छोड़ने पर अब हमें कोई संकल्प ही नहीं

आता...वह तो कोई पिछले जन्म की बात लगती है... ऐसे ही विकारों को छोड़ने

के बाद उनका कोई संकल्प ही नहीं आना चाहिए...
